भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान

लाख समाचार

वर्ष 7 (1) हिन्दी रूपान्तर

जनवरी-मार्च 2003

हमारे नये महानिदेशक

पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. मंगला राय ने 9 जनवरी 2003 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक और कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव का पद भार ग्रहण कर लिया है। डॉ. राय ने 1973 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद विभिन्न उच्च पदों को सुशोभित किया। इन्होंने अभी तक 200 से ज्यादा शोध पत्र लिखे/प्रस्तुत किये हैं। विभिन्न दलों का नेतृत्व करते हुये डॉ. राय 23 देशों का 62 बार भ्रमण कर चुके हैं। वर्तमान में वे अनुवांशिकी, पौध प्रजनन व बीज तकनीकी से सम्बन्धित सात राष्ट्रीय समितियों के अध्यक्ष हैं। वैज्ञानिक तौर तरीकों में पारदर्शिता, योग्यता व प्रवीणता को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ उन्होंने नया पद भार ग्रहण किया है। – हम सब की तरफ से हार्दिक शुभकामनायें।

इस अंक में .....

- अनुसंधान विशिष्टतायें
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
  - प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - किसान मेलों/प्रदर्शनियों में सहभागिता
- प्रचार-प्रसार
  - संस्थान के प्रकाशन
  - टेलिविजन/रेडियो वार्त्ता
- व्यैक्तिक
  - मानव संसाधन विकास
  - प्रोन्नति इत्यादि
- घटनाक्रम
  - अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक
  - अन्तर संस्थान खेलकूद प्रतियोगिता

अनुसंधान विशिष्टता

लाख कीट और परिपालक वृक्षों का सर्वेक्षण एवं संग्रहण

- एन.ए.टी.पी. कार्यक्रम के अन्तर्गत झारखण्ड राज्य के दुमका, पाकुड़, साहेबगंज, गोड्डा और देवघर आदि पांच जिलों के चयनित क्षेत्र में 3 से 10 फरवरी 2003 तक गहन सर्वेक्षण कर लाख कीट और उनके परिपालक पौधों की उपलब्धता की सूचना एवं उपलब्ध सामग्री को संग्रहित किया गया। सर्वेक्षण किए गए सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रमुख लाख परिपालकों में से *ब्यूटिया मोनोसपर्मा* (पलास) एवं *जिजिफस मौरीशियाना* (बेर) बहुतायत संख्या में उपलब्ध हैं। *श्लिचेरा ओलिओसा* (कुसुम) कुछ ही भूखंडों में बिखरे रूप में उपलब्ध हैं एवं इनका उपयोग लाख उपजाने में नहीं किया जाता। प्रकृति में लाख कीट की उपलब्धता नगण्य पाई गई। पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा एवं उसके सीमावर्ती क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के धुलियन क्षेत्र को छोड़कर अधिकांश स्थानों में लाख की खेती बन्द प्राय: सी हो गई है। *जिजिफस मौरीशियाना* (बेर) लाख उत्पादन के लिए सर्वाधिक उत्तम परिपालक है। सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न परिपालकों के बीज एवं बीजकोष के नमूने तथा अपरिपक्व अवस्था के लाख कीट संग्रह किए गए।
- *फलेमोंजिया सेमियालता* पर अगहनी फसल 2002 के दौरान 2222 पौधों की सघन खेती से न्यूनतम पैदावार 8 क्वींटल प्रति हेक्टेयर और 40000 पौधों की सघनता वाले क्षेत्र से 42.7 क्वींटल लाख की सर्वाधिक उपज प्राप्त की गई

सीमेंट सतह के लिये लाख आधारित लेपन

- सीमेंट आधारित सतहों के लिए जल से पतला किए जाने लायक लाख आधारित चार लेपन सामग्रियाँ विकसित की गई हैं इन्हें आवश्यकतानुसार वांछित स्तर तक पतला किया जा सकता है और सतह पर ब्रश से लगाया जा सकता है।

चपड़ा बनाने की नई मशीन

- चौरी भरे थैले को चक्रीयगति से घुमाने के लिए नई विधि विकसित की गई है जिससे पिघली हुई चौरी को निचोड़ने में मदद मिलेगी। प्रारंभ में यंत्र को जाँचने में बड़े मुंहवाले बोरों से निचोड़ने में दिक्कतें होती थी अत: अतिरिक्त चक्रीयगति प्रदान करने के लिए इस विधि को विकसित किया गया है।

एल्यूरिटिक अम्ल से नया कम्पाउण्ड

- नयी विधि से (ई)-2 अनडिसेन-1, 11-डायोयिक एसिड (एल्यूरिटिक अम्ल के प्रीआयोडेट आक्सीडेशन पदार्थ एजेलिक एसीड एलडिहाइड से निर्मित) एक नये चक्रीय यूरीड का संश्लेषण किया गया है। निर्मित कम्पांडड को बैक्टीरियारोधी एवं एंटीफंगस प्रतिक्रिया की जाँच के लिए केन्द्रीय औषधी अनुसंधान संस्थान, लखनऊ को भेजा गया है।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

- फाइबर ग्लास, जूट धागे, टाट की रिइन्फोर्स्ड चादरें तथा लाख 'गमी मास' का उपयोग कर प्लाईवुड के विलेपन चपड़े वाला शीट मोलडींग कम्पांउड की विधि छत्तीसगढ़ के उद्यमी को बताई गई एवं

डॉ. पीतम चन्द्रा ने सहायक उप महानिदेशक (प्रसंस्करण अभियान्त्रिकी) के रूप में पद ग्रहण किया। उनको हम सबकी तरफ से हार्दिक शुभकामनायें।

इस विधि के लिए संस्थान को रू. 10000 (दस हजार रुपये) के राजस्व की प्राप्ति हुई।

- श्री मनोहर लाल, शक्ति, छत्तीसगढ़ को चौरी से एल्यूरिटिक एसिड निर्माण हेतु प्रशिक्षण सह प्रर्दशन दिया गया जिससें संस्थान को रु. 10000 (दस हजार रुपये) प्रशिक्षण शुल्क के रूप में प्राप्त हुए।

प्रचार-प्रसार

संस्थान प्रकाशन

'कामर्शियली वायबल प्रोडक्टस फ्रोम वेस्ट ऑफ एल्यूरिटिक एसिड — फोल्डर 4 पृष्ठ

लाख के लिए कार्यकारी समिति

डॉ. के. के. कुमार, निदेशक एवं श्री आर. रमणी, प्रधान वैज्ञानिक ने 'नबार्ड' द्वारा 15 फरवरी 2003 को राँची में आयोजित राज्य स्तरीय गोष्ठी में हिस्सा लिया। विचार विमर्श के दौरान अनुशंसा की गई कि लाख के उत्पादन और विपणन पर विशेष बल दिया जाये। यह भी निर्णय लिया गया कि मत्स्य पालन, लाख की खेती, बंजर भूमि के विकास और फसल से सम्बन्धित समस्याओं के निदान हेतु एक 'कार्यकारी समिति' बनाई जायेगी।

- 11-13. 2. 2003 को गेतलसूद फार्म में रामकृष्ण मिशन द्वारा
- 19-22. 3. 2003 को सेरसा स्टेडियम, आद्रा में आद्रा उत्सव प्राधिकारी पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) द्वारा

लाख उत्पादन की आधुनिक विधि एवं लाख के उपयोग को दर्शानेवाली प्रदर्शनियाँ निम्नलिखित जगहों पर लगाई गई ।

टेलीविजन वार्त्ता

डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक की वार्त्ता, 'बेर वृक्ष पर लाख उत्पादन' दूरदर्शन केन्द्र राँची द्वारा 27.1.03 को प्रसारित की गई।

आगन्तुक

श्री कड़िया मुण्डा माननीय केन्द्रीय मंत्री, कृषि आधारित ग्रामीण उद्योग; श्री हुकुम देव नारयण यादव माननीय कृषि राज्य मंत्री भारत सरकार; श्री रघुवंश सिंह माननीय सांसद एवं श्री मनजय लाल, सांसद संस्थान संग्रहालय में पधारे।

इस अवधि में 274 किसानों, 257 प्रशिक्षणार्थियों (विद्यार्थियों) एवं 86 अन्य व्यक्तियों सहित समाज के समस्त वर्गो के कुल 617 व्यक्तियों ने संस्थान संग्रहालय का परिभ्रमण किया।

प्रसार एवं प्रशिक्षण कार्यकलाप

प्रशिक्षण कार्यक्रम	किसानों/प्रशिक्षार्थियों की संख्या	ग्राम/स्थान	प्रायोजक
वैज्ञानिक विधि से लाख की खेती का प्रक्षेत्र प्रशिक्षण	85	सारजमडीह, अनगड़ा, राँची	रामकृष्ण मिशन, राँची
उपरोक्त	137	बनखेडी, होसंगाबाद (मध्य प्रदेश)	मध्य प्रदेश लघु वन उत्पाद निगम
उपरोक्त	75	अमलेओनी, चमडोला, खमरिया, खालारी, (महासमन्द)	महासमन्द, छत्तीसगढ़
लाख की खेती, प्रसंस्करण एवं उपयोगिता पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण	23	राँची	एम्पावरिंग ट्रायबल प्रोजेक्ट
	27	खूँटी	'प्रदान'
	15	राँची	आदिम जाति सेवा मंडल
	9	मयूरभंज, उड़ीसा	'सागेन'
	24	राँची	स्व-शक्ति
	2	धनबाद	अभियान समिति
	11	बेतुल	'सिरडी'
	10	गोंदीया	भारतीय किसान मजदूर समाज
	19	लचरागढ़ सिमडेगा	-

गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला

उद्यमियों/व्यापारियों/ संस्थान के विभिन्न विभागों से प्राप्त 44 नमूनों के 71 परीक्षण प्रयोगशाला ने किए। और इस अवधि में रु. 10, 610 की राशि का उपार्जन हुआ।

चक्रीय निधि योजना

अच्छी गुणवत्ता वाली बीहन लाख के उत्पादन के लिए हेसल बीहन फार्म से चक्रीय निधि योजना के अर्न्तगत अच्छा लाभ/मुनाफा हो रहा है। गत वित्तीय वर्ष में 2374.5 किलोग्राम कुसमी तथा 225 किलोग्राम रंगीनी बीहन लाख का उत्पादन हुआ, जिससे रु. 1,96,784/- (एक लाख छियानवे हजार सात सौ चौरासी रुपये) मात्र का कुल लाभ हुआ।

माननीय केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री संस्थान के फार्म में

आन्तरिक गृह गोष्ठी

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग के व्याख्यान कक्ष में दिनांक 01.08.2002 को पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संस्थान के श्री अंशुमान निश्चल द्वारा 'कृषि में पैट्रोलियम पदार्थों का संरक्षण' नामक व्याखायान दिया गया।

गोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता

संस्थान के निदेशक

- 01.01.03 से 06.01.03 - भारतीय विज्ञान सम्मेलन, बंगलोर में आलेख प्रस्तुतिकरण।
- 16.01.03 से 20.01.03 - 'नियारिड' गुवाहाटी द्वारा आयोजित सभा।

- 29.01.03 – संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र पुरुलिया का दौरा।
- 09.02.03 – संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र पुरुलिया का दौरा।
- 12.02.03 से 13.02.03 – चपड़ा निर्यात संवर्द्धन परिषद्, कोलकाता।
- 14.02.03 से 15.02.03 – 'बायोवेड' द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक-सह-कृषक सम्मेलन, इलाहाबाद
- 19.02.03 से 20.02.03 – सबजेक्ट मैटर डिविजन (विषय वस्तु विभाग) नई दिल्ली में 'SFC' पुर्निरीक्षण समिति की बैठक।
- 03.03.03 से 04.03.03 – केन्द्रीय भूतल जल समिति पटना – रूफ टॉप वाटर हार्वेसिटंग के संदर्भ में।
- 10.03.03 से 14.03.03 – राष्ट्रीय कृषि प्रबन्ध अकादमी हैदराबाद द्वारा आयोजित मानव संसाधन विकास पर कार्यशाला।
- 31.03.03 – 'झास्कोलैम्पफ'' विपणन् उपसमिति राँची की बैठक।

अन्य अधिकारी

- डॉ. दीपेन्द्र नाथ गोस्वामी, प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. कौशल किशोर कुमार, निदेशक ने प्रौद्योगिकी प्रबन्धन मंडली (Society for Technology Management) मैक्समूलर भवन, नई दिल्ली एवं आल इंडिया एग्रोबोर्ड पुणे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन ''डेवलपमेंट एवं ग्रोथ ऑफ नॉन-वुड एग्रो बोर्डस एंड एलाइड इन्डस्ट्री'' में ''जूट रिइन्फोर्स्ड शीट्स एंड जूट प्लाइ वुड-फाईबर ग्लास कम्पोजिट बेस्ड ऑन शैलेक फिल्ड एस एम सी'' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. पूर्ण चन्द्र सरकार एवं डॉ. संजय श्रीवास्तव ने सी.आई.सी.आर. नागपुर में दिनांक 25-26 मार्च 2003 को आयोजित ''टेकनोलोजी मिशन ऑन कॉटन'' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- निदेशक महोदय डॉ. कौशल किशोर कुमार, निदेशक एवं डॉ. निरंजन प्रसाद, वैज्ञानिक द्वारा लिखित बंगलोर विश्वविद्यालय, बंगलोर में 3 से 7 जनवरी 2003 तक आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के नब्बेवें सत्र में ''स्कोप आफ इंजिनियरिंग इन्टरवेशन इन प्राइमरी प्रोसेसिंग ऑफ लैक एट विलेज लेवल'' नामक आलेख प्रस्तुत किया गया।
- श्री रंगनातन रमणि, प्रधान वैज्ञानिक ने नई दिल्ली में बी.आई.एस. सेक्शनल समिति सी.एच.डी. 23 की आयोजित बैठक में दिनांक 11 मार्च 2003 को भाग लिया जिसमें वर्तमान विशिष्टीकरण को पुन: स्थापित किया गया एवं लाख तथा लाख उत्पादों के विशिष्टीकरण के लिए नये सिरे से उपयुक्त सुधार एवं वृद्धि के लिए प्रयास प्रारंभ किए गए।
- डॉ. प्रणय कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं श्री रंगनातन रमणि, प्रधान वैज्ञानिक, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लि. द्वारा आयोजित ''रि-एनरजाईजिंग इन्टरप्राइजेज थ्रू एच.आर.डी.'' विषयक गोष्ठी में 19-20 फरवरी 2003 को शामिल हुए।
- डॉ. कौशल किशोर कुमार निदेशक ने पं. सुन्दर लाल शर्मा सेन्ट्रल इन्स्टीच्यूट ऑफ वोकेशनल एजूकेशन भोपाल में ''व्यावसायिक शिक्षा एवं भविष्य की रणनीति'' कार्यक्रम में 12-14 फरवरी 2003 को भाग लिया।
- डॉ. दीपेन्द्र नाथ गोस्वामी एवं पूर्ण चन्द्र सरकार का आलेख ''भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान एवं पश्चिम बंगाल में लाख उद्योग — एक मूल्यांकन'', 'फोसेट' एवं विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, प.बंगाल सरकार के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 22-23 फरवरी 2003 को आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय जन सभा की प्रोसिडिंग के 37-41 पृष्ठ पर प्रकाशित हुआ।
- डॉ. कन्हैया प्रसाद साव एवं डॉ. कौशल किशोर कुमार ने मैक्स मूलर भवन नई दिल्ली में दिनांक 14.02.2003 को आयोजित ''इंटरनेशलन कॉन्फ्रेन्स ऑन डेवलपमेंट एण्ड ग्रोथ आफ नन-एग्रो बेस्ट एण्ड एलाइड इन्डस्ट्री'' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. पूर्णचन्द्र सरकार, वैज्ञानिक, डॉ. दीपेन्द्र नाथ गोस्वामी प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. कौशल किशोर कुमार निदेशक ने ''इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी इन एग्री बेस्ड टेक्नोलॉजी सर्पोट सिस्टम'' नामक आलेख प्रस्तुत किया।
- डॉ. संजय श्रीवास्तव एवं श्री डी. साहा ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में 8-12 जनवरी 2003 को आयोजित द्वितीय ''इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी ऑन ससटेनेबुल प्लांट प्रोडक्टीविटी अंडर चेंजिंग एनवाइरनमेंट'' में डॉ. संजय श्रीवास्तव, श्री डी. साहा, डॉ. रवीन्द्र नाथ मांजी एवं डॉ. कौशल किशोर द्वारा लिखित आलेख ''लैक रेजिन ऐज ए पोटेन्शियल सोर्स ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेर्टस'' प्रस्तुत किया।

अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक

अनुसंधान परामर्शदात्री समिति की बैठक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के पूर्व प्रोफेसर डॉ. एस. मोइत्रा की अध्यक्षता में दिनांक 27 फरवरी 2003 को सम्पन्न हुई। बैठक में यू.डी.सी.टी. मुम्बई के पूर्व प्रो. डॉ. जी.डी. शेटी; यू.ए.एस. अनुसंधान-निदेशक डॉ. एस. लिंगप्पा; सी.डी.आर.आई. लखनऊ के रासायनिक प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष एवं उपनिदेशक डॉ. एस. राय; बुंडु, राँची के श्री विनय कुमार गुप्ता; भारतीय लाख अनुसंधान राँची के निदेशक डॉ. कौशल किशोर कुमार एवं इसी संस्थान के लाख उत्पादन विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रणय कुमार (सदस्य सचिव) ने भाग लिया। बैठक में विभागाध्यक्षों, प्रधान अन्वेषकों द्वारा प्रस्तुत परियोजनाओं एवं चक्रीय निधि योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। विचार विमर्श के बाद निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए।

- अनुसंधान परामर्श-दात्री समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई 5 नई परियोजनाओं को सुक्ष्म सुधार/सलाह के साथ अनुमोदित कर दिया गया।
- आठ परियोजनाओं को विस्तार दिया गया।
- लाख निर्यात के लिए उसमें मिलावट दर्शाने के दृष्टिकोण से भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान का प्रमाणन अनिवार्य करने के लिए परिषद् को प्रस्ताव भेजा जाना चाहिए।
- लाख उत्पादों के प्रचार-प्रसार से गैर-व्यवसायिक क्षेत्रों में उपयोग हेतु अनुसंधान एवं विकास के प्रयास किए जाने चाहिए।
- प्रभावी प्रौद्योगिकी के विकास के लिए पारासीटोयड्स की वृद्धि की जानी चाहिए एवं जैविक नियंत्रण का अध्ययन बड़े पैमाने पर किया जाना चाहिए।
- प्रौद्योगिकी विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास के लागत प्रयासों को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण शुल्क/प्रभार संशोधित किया जाना चाहिए।

व्यैक्तिक

मानव संसाधन विकास

- डॉ. निरंजन प्रसाद, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग ने राष्ट्रीय कृषि प्रबंध अकादमी हैदराबाद में आयोजित दिनांक 5 फरवरी 2003 से 25 फरवरी 2003 तक ''कृषि में सूचना प्रौद्योगिकी विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ. निरंजन प्रसाद, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग एवं डॉ. एस.के. यादव वैज्ञानिक लाख उत्पादन विभाग ने एन.आर.सी.डब्लू.ए. भुवनेश्वर में आयोजित दिनांक 25 मार्च 2003 से 28 मार्च 2003 तक ''इवेल्युवेशन ऑफ ट्रेनिंग इम्पैक्ट'' विषयक प्रशिक्षकों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।
- श्री अशिष रस्तोगी, प्रशासनिक अधिकारी ने आइ.एस.एम. नई दिल्ली में 17 फरवरी 2003 को विभागाध्यक्षों एवं आहरण तथा संवितरण अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के ''वित्तीय नियम'' पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- श्री रणजय कुमार सिंह, वैज्ञानिक ने पूर्व क्षेत्रीय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् अनुसंधान परिसर वाल्मी, पटना में दिनांक 17.02.03 से 26.02.03 तक 10 दिवसीय पाठ्यक्रम, 'प्रैसराईज्ड इरिगेशन सिस्टम' में भाग लिया।

प्रोन्नति

श्री अर्जुन शमा टी-1 से टी-2	29.6.2001
श्री रविन्द्र कुमार रवि टी-1 से टी-2	26.6.2001

वैवाहिक गठबन्धन

श्री डी. साहा, 23 जनवरी 2003 को वैवाहिक गठबन्धन में बन्ध गये - नये युगल को हार्दिक बधाई।

घटनाक्रम

भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान द्वारा भा.कृ.अनु. परिषद् की पूर्व क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन

भुवनेश्वर एवं क्षेत्रीय समन्वय समिति (प्रौद्यागिकी हस्तांतरण परियोजनायें) क्षेत्र-2 कोलकाता ने कुल 12 खेलों में भाग लिया, जिसमें 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर एवं 800 मीटर 4 x 100 मीटर की दौड़, जेवलीन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉटपुट, लौंग जम्प, हाई जम्प, पोल वाल्ट, साईकिल रेस एवं अन्य सात खेल बैडमिन्टन, टेबुल टेनिस, शतरंज, कैरमबोर्ड, फुटबॉल, कब्बडी एवं वॉलीबॉल खेले गए।

संस्थान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के संस्थानों के लिए अन्तर संस्थानिक क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता (क्षेत्र-1), झारखण्ड आरक्षी क्रीड़ागण डोरण्डा में आयोजित की। झारखण्ड सरकार के माननीय विधि मंत्री श्री रामजी लाल सारडा ने पारम्परिक विधि से कबूतर उड़ाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

परिषद् के अधीनस्थ 17 अनुसंधान संस्थानों, राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्रों, क्षेत्रीय समन्वय ईकाइयों जेसे कारी इज्जतनगर, सीफा भुवनेश्वर, सीफरी बैरकपुर, सी आई एस एच लखनऊ, क्राइजेफ बैरकपुर, सी आर आर आई कटक, आई ए आर आई नई दिल्ली, आई सी ए आर कम्पलेक्स पूर्व क्षेत्र पटना, आई सी ए आर कम्पलेक्स, एन ई एच बारापानी, आई आई पी आर कानपुर, आई आई एस आर लखनऊ, एन आर सी मिथुन झरनापानी, डब्लू टी सी इ आर महिलावर्ग में जेवलीन थ्रो प्रतियोगिता में संस्थान की श्रीमती सुशान्ती प्रसाद को तृतीय स्थान, 400 मीटर की दौड़ में श्री रामचन्द्र मण्डप द्वितीय एवं 500 मीटर की साईकिल रेस में श्री चैतु कच्छप को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बैडमीटन टीम में संस्थान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। केन्द्रीय मंत्री कड़िया मुण्डा ने विजयी प्रतिभागियो को पुरस्कार प्रदान किए।

संस्थान द्वारा लाख समाचार को पूर्णतया हिन्दी में प्रकाशित करने का यह प्रथम प्रयास है ।

-सम्पादकद्वय

मान-सम्मान

डॉ. कौशल किशोर कुमार निदेशक को 'बायोवेड रिसर्च सोसाइटी' इलाहाबाद के 5 वें भारतीय कृषि वैज्ञानिक सह कृषक सम्मेलन में लाख की खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिनांक 15 फरवरी 2003 को ''फैलोशिप एवार्ड'' प्रदान किया गया।

संकलन, सम्पादन एवं प्रकाशन
डॉ. केवल कृष्ण शर्मा एवं श्री रंगनातन रमणि

तकनीकी सहायता
श्री परवेज आलम अंसारी
श्री लाल चन्द्र चूड़ामणि नाथ शाहदेव
श्री अर्जुन कुमार सिन्हा

छायांकण
श्री रमेश प्रसाद श्रीवास्तव

हिन्दी-भाष्यान्तर
श्री लक्ष्मी कान्त

प्रकाशक
डॉ. कौशल किशोर कुमार
निदेशक, भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान
नामकुम, राँची - 834 010 (झारखण्ड)
दूरभाष : 0651-2261156-7, 2260117
फैक्स : 0651-2260 202,
ई-मेल - lac.@ilri.bih.hic.in
वेबसाइट - www.icar.org.in/ilri/default.htm.

*Printed at : **Kailash Paper Conversion (P) Ltd.**, Purulia Road, Ranchi. Ph. : 2532251, 2532087*

650/07/03